खनिजों के प्रकार

* अधिकांश खनिज आग्नेय व कायांतरित चट्टानों में पाये जाते हैं । कुछ खनिज अवसादी चट्टानों से भी प्राप्त होते हैं ।

खनिजों का वितरण

* खनिजों को संरचना के आधार पर धात्विक, अधात्विक खनिजों में बाँटा गया है।
* धात्विक खनिजों में धातु का अंश होता है, जबकि अधात्विक में नहीं होता है।
* भारत और चीन में अधिक मात्रा में लौह अयस्क के भण्डार हैं ।
* यूरोप विश्व में लौह अयस्क का अग्रणी उत्पादक है।
* अफ्रीका खनिज संसाधनों में धनी है जबकि आस्ट्रेलिया बाक्साइट का सबसे बड़ा उत्पादक है।
* भारत के विभिन्न राज्यों में कई प्रकार के खनिज पाए जाते हैं, जिसमें लोहा, बॉक्साइट, अभ्रक, ताँबा, मैगनीज, सोना, चूना-पत्थर, नमक आदि प्रमुख हैं ।

खनिजों का उपयोग

* खनिजों का उपयोग विभिन्न उद्योगों में विभिन्न प्रकार की वस्तुओं के निर्माण में किया जाता है ।
* खनिज एक अनवीकरणीय संसाधन है । इसमें निर्माण और संचालन में हजारों वर्ष लग जाते हैं अतः इनका संरक्षण आवश्यक है ।

शक्ति संसाधन

* ऊर्जा संसाधनों को परम्परागत व गैर परम्परागत संसाधनों में बाँटा जा सकता है ।
* ऊर्जा के परम्परागत स्रोतों में ईधन व जीवाश्म-ईंधन (कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस) तथा जल विद्युत प्रमुख हैं ।
* ऊर्जा के गैर परम्परागत स्रोतों में सौर-ऊर्जा, पवन-ऊर्जा, परमाणु-ऊर्जा, ज्वारीय-ऊर्जा, बायोगैस व भूतापीय ऊर्जा आदि प्रमुख हैं ।

नवीन शब्दावली

1. **खनिज** - प्राकृतिक रूप से प्राप्त होने वाला वह पदार्थ जिसका एक निश्चित रासायनिक संगठन होता है, खनिज कहलाता है।
2. **शक्ति संसाधन** - ऐसे संसाधन जिनमें ऊष्मा या ऊर्जा की प्राप्ति होती है।
3. **पर्पटी** - पृथ्वी की संरचना में सबसे ऊपरी परत जो मुख्यतः सिलिका व एल्यूमिनियम के द्वारा निर्मित मानी गयी है।
4. **धात्विक खनिज** – ऐसे खनिज जिनसे धातु का अंश होता है।
5. **अधात्विक खनिज** - ऐसे खनिज जिनमें धातु का अंश नहीं पाया जाता।
6. **खनन** – पृथ्वी की सतह के भीतर दबी चट्टानों से खनिजों को बाहर निकालना खनन कहलाता है ।
7. **अयस्क** – चट्टानों से प्राप्त खनिज अयस्क कहलाते हैं।
8. **कूपकी खनन** – पृथ्वी के धरातल में गहरा छिद्र करके खनिजों को निकालने की प्रक्रिया कूपकी खनन कहलाती है।
9. **अलौह खनिज** – ऐसे खनिज पदार्थ जिनमें लौहांश नहीं पाया जाता ।
10. **आग्नेय शैल** - Igneous शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के इग्निस शब्द से हुई जिसका अर्थ है– अग्नि।
11. **कायांतरित शैल** - कायान्तरित का अर्थ है–स्वरूप में परिवर्तन। अवसादी एवं आग्नेय शैलों में ताप एवं दबाव के कारण परिवर्तन या रूपान्तरण हो जाने से रूपान्तरित या कायान्तरित शैलों का निर्माण होता है।
12. **वलित पर्वत** - तीव्र क्षैतिज भू-संचलन द्वारा किसी भूसन्नति में संचित मलवों में मोड़ पड़ने तथा ऊपर उठने से निर्मित पर्वत, जिसमें अनेक अपनतियाँ तथा अभिनतियाँ क्रमिक रूप से पायी जाती हैं।
13. **महाद्वीप** - सागर तल से ऊपर उठे हुए पृथ्वी के विशाल भू-भाग जो चारों ओर से या अधिकांश ओर से महासागरों से घिरे होते हैं।
14. **मानचित्र** - किसी मापनी से लघुकृत हुए आयामों के आधार पर सम्पूर्ण पृथ्वी या उसके किसी भाग का चयनित संकेतात्मक एवं सामान्य प्रदर्शन मानचित्र कहलाता है।
15. **संरक्षण** - प्राकृतिक पर्यावरण व प्राकृतिक संसाधनों का सन्तुलित उपयोग जिससे भविष्य में उनकी उपयोगिता बनी रहे, संरक्षण है।
16. **परम्परागत स्रोत** - ऐसे स्रोत जिनका हम पीढ़ी दर पीढ़ी प्रयोग करते आ रहे हैं।
17. **पेट्रोलियम** - प्रकृति निर्मित हाइड्रोकार्बन जो भूगर्भ में सरंध्र शैलों में तरल रूप में स्थित होता है।